INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 6 **3rd Lang.**	**Department: Hindi**	**Date of submission:**
Worksheet No: 3	**Topic :** अर्थग्रहण	**Note: Pl. file in portfolio**

दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) लगाइए |

ठाकुरदास अपनी पत्नी और इकलौते बच्चे को छोड़ कर इस संसार से चल बसे । पत्नी के कंधे पर सारे परिवार का दायित्त्व आ गया। इसी प्रकार दिन कटते रहे और वर्ष बीतते गए। एक दिन बेटा रात के समय बैठा, माँ के पैर दबा रहा था और बातें भी कर रहा था-“माँ बड़ा होकर मैं पढ़-लिखकर विद्वान बनूँगा और तुम्हारी बहुत सेवा करूँगा।”

“कैसी सेवा करेगा तू मेरी?” माँ ने पूछा।

“बड़े कष्ट सहन कर तुम मुझे पढ़ा रही हो माँ, जब मैं कमाने लगूँगा तब तुम्हे अच्छा-अच्छा खाना खिलाऊँगा और हाँ तुम्हारे लिए गहने भी लाऊँगा।”

“हाँ बेटा, तू अवश्य मेरी सेवा करना पर गहने मेरी पसंद के ही बनवाना।” माँ बोली | “कौन से गहने माँ?”

“बेटा, सुन मुझे तीन गहनों की चाह है। मैं चाहती हूँ गाँव में अच्छा विद्यालय हो, चिकित्सालय हो और निर्धन-असहाय बालकों को खाने-पीने तथा पहनने की सुविधा हो।”

बालक ने जब माँ की बातों को सुना तो वह भाव-विभोर हो उठा। उस दिन से अपनी माँ के लिए इन तीन गहनों को बनवाने की धुन में उसने बहुत परिश्रम किया। पढ़ाई समाप्त कर वह उच्च पद पर आसीन हुआ। माँ को दिए वचन को उसने निभाया। साथ-साथ वह विद्यालय, औषधालय, तथा सहायता केंद्र खोलता चला गया।

1. कौन अपनी पत्नी और इकलौते बच्चे को छोड़ कर संसार से चल बसे?

जमनादास　　ठाकुरदास　　माधवदास　　रामदास

2. पत्नी के कंधे पर किसका दायित्त्व आ गया था ?

गरीब लोगों का　　अनाथ बच्चों का

परिवार का　　बूढ़े लोगों का

3. बेटा रात के समय क्या कर रहा था ?

पढ़ रहा था　　माँ के पैर दबा रहा था

सो रहा था　　टी॰ वी॰ देख रहा था

4. बेटा पढ़-लिखकर क्या बनना चाहता था ?

अध्यापक　　डॉक्टर

पंडित　　विद्वान

5. माँ को कितने गहनों की चाह थी ?

पाँच　　चार　　तीन　　दो

6. किसकी बातों को सुनकर बेटा भाव-विभोर हो गया ?

दादी की　　माँ की　　पिता की　　चाचा की

7. सही (✓) या गलत (×) बताइए |

क. बड़ा होकर बेटा अपनी माँ की सेवा करना चाहता था |　( )

ख. माँ चाहती थी कि गाँव में सिनेमाघर हो |　( )

ग. पढ़ाई समाप्त कर वह लड़का उच्च पद पर आसीन हुआ।　( )

घ. लड़के ने अपनी माँ को दिया हुआ वचन नहीं निभाया |　( )

●●●●●●●●●●●●●●●